लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 13.2.2020 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 3-6

कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में भी करना होगा सूचना तकनीक का प्रयोग : डा. सहरावत

हकृवि में डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंग्थेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स पर कार्यशाला शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में नेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली की सहभागिता में 12-14 फरवरी तक डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंग्थेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को मौलिक विज्ञान और मानविकी कालेज के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक अनुसंधान, डा. एसके सहरावत थे। इस अवसर पर आइएआरआइ के प्रधान अन्वेषक वैज्ञानिक एवं एनएएचईपी के अंतर्गत आइजी संबंधित प्रोजेक्ट के सीसीपीआइ डा. अमरिंदर कुमार भी उपस्थित थे।

कृषि कोष की पुस्तिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि डा.एसके सहरावत और अन्य। • जागरण

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कृषि कोष की पुस्तिका का विमोचन किया गया। मुख्य अथिति डा. एसके सहरावत ने कहा कि आज के सूचना तकनीकी के प्रभाव के अंतर्गत सभी सूचना स्त्रोत उपभोक्ताओं के लिए बिना स्थान व समय की रुकावट के उपलब्ध हैं। इस सूचना तकनीकी युग में कंप्यूटर, सूचना संचार के लिए शक्तिशाली उपकरण बन गया है जिसके फलस्वरूप सूचना अथाह रूप से उत्पन्न एवं प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध बहुत सारे ई-रिर्सोसिस जैसे सेरा, कृषि कोष, ई-बुक्स, ई-जरनल आदि को अपने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने का आह्वान किया।

डॉ. अमरिंदर कुमार ने कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों को कृषि कोष, डिजिटल लाइब्रेरी, सेरा, कोहा, स्कोपस, मेंड़ले, प्लागिअरिस्म, डेलनेट, साइटेशन एवं इम्पैक्ट राइटिंग, इत्यादि विषयों से अवगत करवाया जाएगा। जिससे इन सूचना स्त्रोतों का पूरी तरह से शैक्षणिक स्तर तक इस्तेमाल हो सके। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यशाला में पहले दो तकनीकी स्तर, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व छात्रों के लिए एवं अन्य चार तकनीकी स्तर, उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आए कृषि विश्वविद्यालयों से पुस्तकालय विशेषज्ञों के लिए रखे गए हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में लगभग 20 पुस्तकालय विशेषज्ञों एवं विश्वविद्यालय के लगभग 300 वैज्ञानिक व छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया व मंच का संचालन डॉ. भानु प्रताप ने किया। इस अवसर पर सभी कालेजों के अधिष्ठाता एवं निदेशक, विभाग प्रमुख एवं अन्य अतिथि उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हरिभूमि
दिनांक 13.2.2020 पृष्ठ सं 14 कॉलम 2-4

सूचना संचार के लिए शक्तिशाली उपकरण बना कंप्यूटर : सहरावत

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। पुस्तिका का विमोचन करते डॉ.एसके सहरावत। फोटो :हरिभूमि

■ हकृवि में तीन दिवसीय कार्यशाला

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नयी दिल्ली की सहभागिता में 12-14 फरवरी तक 'डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंथेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन, नार्स' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ आज मौलिक विज्ञान और मानविकी कॉलेज के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत थे। इस अवसर पर आईएआरआई के प्रधान अन्वेषक वैज्ञानिक एवं एनएएचईपी के अन्तर्गत आईजी संबंधित प्रोजेक्ट के सीसीपीआई डॉ. अमरिंदर कुमार भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कृषि कोष की पुस्तिका का विमोचन किया गया। मुख्य अथिति डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि आज के सूचना तकनीकी के प्रभाव के अन्तर्गत सभी सूचना स्रोत उपभोक्ताओं के लिए बिना स्थान व समय की रूकावट के उपलब्ध है। इस सूचना तकनीकी युग में कंप्यूटर, सूचना संचार के लिए शक्तिशाली उपकरण बन गया है जिसके फलस्वरूप सूचना अथाह रूप से उत्पन्न एवं प्रवाहित हो रही है। उन्होने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध बहुत सारे ई-रिर्सोसिस जैसे सेरा, कृषि कोष, ई-बुक्स, ई-जरनल आदि कों अपने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने का आह्वान किया। डॉ. अमरिंदर कुमार ने आयोजित की जा रही तीन दिवसीय कार्यशाला के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 13.2.2020 पृष्ठ सं 6 कॉलम 3-4

सूचना संचार का सबसे शक्तिशाली उपकरण बना कंप्यूटर : डॉ. सहरावत

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली की सहभागिता में 'डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंग्थेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को मौलिक विज्ञान और मानविकी कॉलेज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत थे। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने कृषि कोष की पुस्तिका का विमोचन किया। डॉ. एस के सहरावत ने कहा कि आज के सूचना तकनीकी के प्रभाव के तहत सूचना स्रोत उपभोक्ताओं के लिए बिना स्थान व समय की रुकावट के उपलब्ध है। इस सूचना तकनीकी युग में कंप्यूटर, सूचना संचार के लिए शक्तिशाली उपकरण बन गया है। उन्होंने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध बहुत सारे ई-रिर्सोसिस जैसे सेरा, कृषि कोष, ई-बुक्स, ई-जरनल आदि को अपने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने का आह्वान किया। डॉ. अमरिंदर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में प्रतिभागियों को कृषि कोष, डिजिटल लाइब्रेरी, सेरा, कोहा, स्कोपस, प्लागिअरिस्म, डेलनेट, साइटेशन एवं इम्पेक्ट राइटिंग, इत्यादि विषयों से अवगत करवाया जाएगा। पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ बलवान सिंह ने बताया की कार्यशाला में पहले दो तकनीकी स्तर, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व छात्रों के लिए एवं अन्य चार तकनीकी स्तर, विभिन्न राज्यों से आए कृषि विश्वविद्यालयों से पुस्तकालय विशेषज्ञों के लिए रखे गए हैं। इस अवसर पर डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया व मंच का संचालन डॉ. भानु प्रताप ने किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून, पंजाब केसरी
दिनांक 13.2.2020 पृष्ठ सं 4, 4 कॉलम 5-6, 8

हकृवि में डिजिटल लाइब्रेरी प्रशिक्षण शुरू

हिसार स्थित हकृवि में पुस्तक का विमोचन करते डॉ.एसके सहरावत व अन्य। -निस

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नयी दिल्ली की सहभागिता में 12 से 14 फरवरी तक 'डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंथेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स' पर प्रशिक्षण शुरू किया गया। इसके मुख्य अथिति निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत थे। इस अवसर पर आईएआरआई के प्रधान अन्वेषक वैज्ञानिक एवं एनएएचईपी के अन्तर्गत आईजी संबंधित प्रोजेक्ट के सीसीपीआई डॉ. अमरिंदर कुमार भी उपस्थित थे। डॉ. एसके सहरावत ने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध बहुत सारे ई-रिसोंसिस जैसे सेरा, कृषि कोष, ई-बुक्स, ई-जरनल आदि को अपने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने कृषि कोष की पुस्तिका का विमोचन किया। कार्यशाला में लगभग 20 पुस्तकालय विशेषज्ञों एवं विश्वविद्यालय के लगभग 300 वैज्ञानिक व छात्रों ने भाग लिया।

3 दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

हिसार, 12 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'डिजीटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंथेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ मौलिक विज्ञान और मानविकी कॉलेज के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक अनुसंधान, डा. एस.के. सहरावत थे। इस अवसर पर आई.ए.आर.आई. के प्रधान अन्वेषक वैज्ञानिक एवं एन.ए.एच.ई.पी. के अन्तर्गत आई.जी. संबंधित प्रोजैक्ट के सी.सी.पी.आई. डा. अमरिंदर कुमार भी उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....सिटी पल्स....
दिनांक....12.2.2020.... पृष्ठ सं....3.... कॉलम....1-5....

हकृवि में तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

कार्यशाला में 20 पुस्तकालय विशेषज्ञों एवं विश्वविद्यालय के 300 वैज्ञानिक व छात्रों ने लिया भाग

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नयी दिल्ली की सहभागिता में 12-14 फरवरी तक 'डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंथनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ आज किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अथिति निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत थे। इस अवसर पर आईएआरआई के प्रधान अन्वेषक वैज्ञानिक एवं एनएएचईपी के अन्तर्गत आईजी स्वाधित प्रोजेक्ट के सीसीपीआई डॉ. अमरिंदर कुमार भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कृषि कोष की पुस्तिका का विमोचन किया गया।

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत पुस्तिका का विमोचन करते हुए।

मुख्य अथिति डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि आज के सूचना तकनीकी के प्रभाव के अन्तर्गत सभी सूचना स्रोत उपभोक्ताओं के लिए बिना स्थान व समय की रुकावट के उपलब्ध है। इस सूचना तकनीकी युग में कंप्यूटर, सूचना संचार के लिए शक्तिशाली उपकरण बन गया है जिसके फलस्वरूप सूचना अथाह रूप से उत्पन्न एवं प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध बहुत सारे ई-रिसोर्सिस जैसे सेरा, कृषि कोष, ई-बुक्स, ई-जरनल्स आदि को अपने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने का आह्वान किया।

डॉ. अमरिंदर कुमार ने आयोजित की जा रही तीन दिवसीय कार्यशाला के बारे मे जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों को कृषि कोष डिजिटल लाइब्रेरी, सेरा, कोहा, स्कोपस, मेंडले, प्लागिअरिस्म, डेलनेट, साइटेशन एवं इम्पैक्ट राइटिंग, इत्यादि विषयों से अवगत करवाया जायेगा। जिससे इन सूचना स्रोतों का पूरी तरह से शैक्षणिक स्तर तक इस्तेमाल हो सकें।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यशाला में पहले दो तकनीकी स्तर, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व छात्रों के लिए एवं अन्य चार तकनीकी स्तर, उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आये कृषि विश्वविद्यालयों से पुस्तकालय विशेषज्ञों के लिए रखे गए हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में लगभग 20 पुस्तकालय विशेषज्ञों एवं विश्वविद्यालय के लगभग 300 वैज्ञानिक व छात्रों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला की संयोजिका डॉ. सीमा परमार ने बताया कि कार्यशाला के दौरान सभी विषयों पर जानकारी देने के लिए दूसरे विश्वविद्यालयों से विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है तथा इससे सभी पुस्तकालय विशेषज्ञों को अपने-अपने पुस्तकालयों में पाठकों को बेहतर सूचना सेवा प्रदान करने में लाभ होगा। इस अवसर पर डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्तव पेश किया व मंच का संचालन डॉ. भानु प्रताप ने किया। इस अवसर पर सभी कॉलेजों के अधिष्ठाता एवं निदेशक, विभाग प्रमुख एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।